अध्याय–10

उत्तराखण्ड वानिकी प्रशिक्षण अकादमी, हल्द्वानी (नैनीताल)

➢ भौगोलिक स्थिति –

- **उत्तराखण्ड वानिकी प्रशिक्षण अकादमी, हल्द्वानी** उत्तराखण्ड राज्य के नैनीताल जनपद में हल्द्वानी रेलवे स्टेशन के दक्षिण पश्चिम में, स्टेशन से 3 कि.मी. तथा बस स्टेशन से 2½ कि.मी. की दूरी पर रामपुर रोड में डॉ0 सुशीला तिवारी राजकीय चिकित्सालय के सामने स्थित है।

10.1 संक्षिप्त परिचय –

- उत्तराखण्ड राज्य के गठन के पूर्व वन दरोगाओं का प्रशिक्षण नैनीताल स्थित ओक पार्क में तथा तराई पूर्वी वन प्रभाग, हल्द्वानी के परिसर में प्रारम्भ किया गया। वर्ष 1972–73 में उक्त दोनों प्रशिक्षण केन्द्रों को बन्द कर हल्द्वानी में वन दरोगाओं का प्रशिक्षण पुराने छात्रावास (वर्तमान उत्तराखण्ड वानिकी प्रशिक्षण अकादमी परिसर) में दिया जाने लगा। पुराने छात्रावास का उद्घाटन श्री त्रिभुवन श्रीवास्तव भूतपूर्व मुख्य अरण्यपाल, उ0 प्र0 द्वारा दिनांक 02.01.1972 को किया गया। यही स्थल बाद में (वर्ष 1978) वानिकी प्रशिक्षण संस्थान तथा (वर्ष 1994–95) वानिकी एवं वन पंचायत प्रशिक्षण संस्थान, हल्द्वानी के रूप में स्थापित हुआ। वर्ष 2003 में यह संस्थान **अकादमी** के रूप में उच्चीकृत हुआ।

- दिनांक 27.08.1978 को अकादमी के मुख्य प्रशासनिक भवन का उद्घाटन माननीय श्रीचन्द्र जी, वन मन्त्री उ0 प्र0 द्वारा किया गया एवं निदेशक, वानिकी प्रशिक्षण संस्थान का कार्यालय स्थापित हुआ। मुख्य भवन में सभागार, लाईब्रेरी, कार्यालय, क्लास रूम, संकाय अधिकारिओं के कक्ष, कम्प्यूटर रूम/जी.आई.एस. लैब आदि स्थापित हैं।

- राष्ट्रीय वन नीति 1988 की भावना के अनुरूप वानिकी प्रशिक्षण संस्थान में नियमित वानिकी प्रशिक्षण के अतिरिक्त वन पंचायत निरीक्षकों/सरपंचों तथा वन विभाग के अधीनस्थ कर्मचारियों को अल्पकालीन प्रशिक्षण का दायित्व भी सौंपा गया तथा उ0 प्र0 सरकार, परती भूमि विकास अनुभाग की पत्र संख्या 289/14–प.भू.वि./94 दिनांक 1 फरवरी 1994 के अनुसार इस इस संस्थान का नाम बदल कर वानिकी एवं वन पंचायत प्रशिक्षण संस्थान, हल्द्वानी कर दिया गया।

- उत्तरांचल शासन, वन एवं पर्यावरण अनुभाग–1 के शासनादेश संख्या– 400/1 व.ग्रा.वि. /2003, देहरादून, दिनांक 24–04–2003 के अनुसार इस संस्थान को उच्चीकृत करते हुए इसका नाम उत्तराखण्ड वानिकी प्रशिक्षण अकादमी, हल्द्वानी कर दिया गया।

- वन रक्षक प्रशिक्षण केन्द्र, कालसी/रामपुर मण्डी (देहरादून) एवं जैंती (अल्मोड़ा) जो क्रमशः प्रभागीय वनाधिकारी, चकराता वन प्रभाग, कालसी तथा प्रभागीय वनाधिकारी, सिविल एवं सोयम वन प्रभाग, अल्मोड़ा के प्रशासनिक नियंत्रण में हैं तथा इनका तकनीकी नियंत्रण इस अकादमी द्वारा किया जाता है।

  प्रमुख वन संरक्षक, उत्तराखण्ड, देहरादून के पत्र सं0 क–291/1–3(6) दिनांक 11–08–2016 के क्रम में दिनांक 16–03–2017 को जैंती (अल्मोड़ा) स्थित वन रक्षक प्रशिक्षण केन्द्र का प्रशासनिक नियंत्रण भी अकादमी द्वारा ले लिया गया है।

10.2 उत्तराखण्ड वानिकी प्रशिक्षण अकादमी के क्रिया–कलाप –

10.2.1 वन क्षेत्राधिकारी प्रशिक्षण –

- वर्ष 1979–80 से वर्ष 1990–91 तक वन क्षेत्राधिकारी प्रशिक्षण की अवधि 1 वर्ष की थी, जिसे प्रशिक्षण बैच 1990–92 से 2 वर्ष का कर दिया गया। पुनः वर्ष 2004 से इस प्रशिक्षण की अवधि पर्यावरण एवं वन मंत्रालय भारत सरकार द्वारा 1½ वर्ष (18 माह) की कर दी गयी है।
- इस अकादमी में वर्ष 1979–80 से वर्ष 2016–17 तक निम्न प्रकार कुल 930 वन क्षेत्राधिकारियों को प्रशिक्षण दिया जा चुका है तथा वर्ष 2017–18 व 2018–19(वर्तमान प्रशिक्षण सत्रों दिनांक 10.07.2017 से 09.01.2019 तक व दिनांक 09.04.2018 से 08.10.2019 तक) में क्रमशः 31 व 27 वन क्षेत्राधिकारी प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे हैं।

सत्रवार प्रशिक्षित प्रशिक्षार्थियों का विवरण निम्नवत् है –

क्र0सं0	सत्र	प्रशिक्षित प्रशिक्षार्थियों की संख्या
एक वर्षीय प्रशिक्षण		
1	1979–80	30
2	1980–81	24
3	1981–82	58
4	1982–83	44
5	1983–84	42
6	1984–85	33
7	1985–86	44
8	1986–87	45
9	1987–88	–
10	1988–89	48
11	1989–90	50
12	1990–91	30
दो वर्षीय प्रशिक्षण		
13	1990–92	19
14	1991–93	40
15	1992–94	30
16	1993–95	29
17	1994–96	25

क्र0सं0	सत्र	प्रशिक्षित प्रशिक्षार्थियों की संख्या
18	1995–97	32
19	1996–98	24
20	1997–99	34
21	1998–2000	31
22	1999–2001	–
23	2000–02	30
24	2001–02	–
25	2002–04	–
26	2003–05	16
1½ वर्षीय (18 माह) प्रशिक्षण		
27	2010–11	25
28	2011–12	31
29	2013–14	38
30	2015–16	40
31	2016–17	38
कुल योग–		**930**
32	(प्रशिक्षण सत्र–2017–19 दिनांक 10.07.2017 से 09.01.2019 तक)	**31** प्रशिक्षार्थी मध्य प्रदेश राज्य के **19** *(पुरूष)* तथा कर्नाटक राज्य के **12** *(07 पुरूष एवं 05 महिला)* प्रशिक्षणरत हैं। प्रशिक्षण **माह जनवरी 2019** में पूर्ण होगा।
33	(प्रशिक्षण सत्र–2018–19 दिनांक 09.04.2018 से 08.10.2019 तक)	**27** प्रशिक्षार्थी गुजरात के **01***(पुरूष)*, उड़ीसा के **03***(पुरूष)*, प0बंगाल के **01***(पुरूष)*, मध्य प्रदेश के **02***(महिला) तथा* महाराष्ट्र के **20** *(09 पुरूष एवं 11 महिला)* प्रशिक्षणरत हैं। प्रशिक्षण **माह अक्टूबर 2019** में पूर्ण होगा।

10.2.2 वन दरोगा प्रशिक्षण –

- 30 जून 1990 तक वन क्षेत्राधिकारियों के प्रशिक्षण के साथ–साथ वन दरोगा का प्रशिक्षण भी इस अकादमी में चलाया गया। किन्तु 01 जुलाई 1990 से वन क्षेत्राधिकारियों का प्रशिक्षण काल दो वर्ष हो जाने के कारण वन दरोगा प्रशिक्षण को हल्द्वानी से हटाकर वानिकी प्रशिक्षण संस्थान, कानपुर को स्थानान्तरित कर दिया गया।

- वर्ष 2003 तक वन दरोगा प्रशिक्षण की अवधि 11 माह की थी, जिसे पर्यावरण एवं वन मंत्रालय भारत सरकार द्वारा वर्ष 2004 से 06 माह कर दी गई।
- अकादमी द्वारा समय–समय पर वन दरोगाओं के अल्प अवधि (2 माह) के रिफ्रेशर कोर्स भी आयोजित किये गये।
- प्रमुख वन संरक्षक, उत्तराखण्ड, देहरादून के पत्र संख्या क–2486/1–3(6), देहरादून, दिनांक 18.06.2015 से प्रोन्नत वन दरोगा जिन्होंने वन रक्षक प्रशिक्षण प्राप्त किया है अथवा नहीं किन्तु जिन्होंने 03 माह का वन दरोगा का प्रशिक्षण नहीं प्राप्त किया है, उन्हें तीन माह का प्रशिक्षण जिन्होंने 03 माह का वन दरोगा का प्रशिक्षण प्राप्त किया है, उन्हें तीन सप्ताह का रिफ्रेशर प्रशिक्षण चक्रीय क्रम में दिया जायेगा। 55 वर्ष से अधिक की आयु प्राप्त कर चुके वन दरोगाओं को प्रशिक्षण से मुक्त रखा जायेगा।

  प्रोन्नत वन दरोगा प्रशिक्षण (03 माह) दिनांक 01 जनवरी 2016 से प्रारम्भ किया गया है।

उत्तराखण्ड राज्य के गठन के बाद अकादमी में निम्न प्रकार वन दरोगाओं के प्रशिक्षण आयोजित किये गये–

वर्ष	वन दरोगा प्रशिक्षण में प्रषिक्षार्थियों की संख्या (11 माह)	वन दरोगा प्रशिक्षण में रिफ्रेशर कोर्स में प्रषिक्षार्थियों की संख्या (02 माह)	प्रोन्नत वन दरोगा प्रशिक्षण में प्रषिक्षार्थियों की संख्या (03 माह)	वन दरोगा प्रशिक्षण में प्रषिक्षार्थियों की संख्या (06 माह)	कुल योग
1	2	3	4	5	6
2000–01	–	–	–	–	–
2001–02	–	–	–	–	–
2002–03	–	–	–	–	–
2003–04	–	–	–	–	–
2004–05	26	–	–	–	26
2005–06	–	–	–	–	–
2006–07	–	155	–	–	155
2007–08	–	207	–	–	207
2008–09	–	68	–	48	116
2009–10	–	86	–	57	143
2010–11	–	–	–	53	53
2011–12	–	–	–	36	36
2012–13	–	22	–	26	48
2013–14	–	–	–	–	–
2014–15	–	–	–	16	16
2015–16	–	–	24	19	43
2016–17	–	–	57	–	57
2017–18	–	–	17	24	41
योग–	**26**	**538**	**98**	**279**	**941**

10.2.3 वन रक्षक प्रशिक्षण –

- वन रक्षक प्रशिक्षण वर्तमान समय में निम्नलिखित केन्द्रों में आयोजित किये जाते हैं–

  (i) वन रक्षक प्रशिक्षण केन्द्र– जैंती (अल्मोड़ा)।

  इस केन्द्र का प्रशासनिक नियंत्रण उत्तराखण्ड वानिकी प्रशिक्षण अकादमी,हल्द्वानी के पास है।

  (ii) वन रक्षक प्रशिक्षण केन्द्र– रामपुर मंडी (देहरादून)।

  इस केन्द्र का प्रशासनिक नियंत्रण चकराता वन प्रभाग, चकराता के पास है।

  (iii) उत्तराखण्ड वानिकी प्रशिक्षण अकादमी, हल्द्वानी।

  <u>नोटः</u>–

  - ✓ सुरक्षा एवं सुविधा के दृष्टिकोण से महिला वन रक्षकों के प्रशिक्षण उत्तराखण्ड वानिकी प्रशिक्षण अकादमी, हल्द्वानी में आयोजित किये गये हैं।
  - ✓ वन रक्षक प्रशिक्षण की गति बढ़ाने हेतु कुछ वन रक्षकों को वन रक्षक प्रशिक्षण केन्द्र, पिंजौर (हरियाणा) भी भेजा गया जिसका विवरण निम्न तालिका में दिया गया है।
  - ✓ वर्ष 2008–09 से वर्ष 2013–14 तक वन्यजीव प्रशिक्षण केन्द्र, कालागढ़ में वन रक्षकों को प्रशिक्षण दिया गया है। वर्तमान में इस केन्द्र में मात्र वन्यजीव संबंधी प्रशिक्षण हो रहे हैं, वन रक्षक प्रशिक्षण नहीं।

- उक्त प्रशिक्षण केन्द्रों (वन रक्षक प्रशिक्षण केन्द्र, पिंजौर (हरियाणा), तथा वन्यजीव प्रशिक्षण केन्द्र, कालागढ़ को छोड़कर) का तकनीकी नियंत्रण उत्तराखण्ड वानिकी प्रशिक्षण अकादमी, हल्द्वानी के पास है।
- वन रक्षक प्रशिक्षणों की अवधि 06 माह है।
- प्रत्येक प्रशिक्षण केन्द्रों में सामान्यतः एक वर्ष में छः–छः माह के दो प्रशिक्षण सत्र आयोजित किये जाते हैं।

  उत्तराखण्ड राज्य के गठन के पश्चात उत्तराखण्ड राज्य में वर्ष 2017–18 तक निम्न प्रकार वन रक्षक प्रशिक्षण आयोजित किये गये–

वर्ष	प्रशिक्षण केन्द्र का नाम					
	कालसी / रामपुर मंडी	जैंती	यू.एफ.टी.ए., हल्द्वानी	वन्यजीव प्रशिक्षण केन्द्र, कालागढ़	पिंजौर (हरियाणा)	योग
1	2	3	4	5	6	7
2000–01	24	17	0	–	–	41
2001–02	36	26	0	–	–	62
2002–03	29	30	0	–	–	59
2003–04	12	05	0	–	–	17
2004–05	32	0	67	–	–	99
2005–06	37	0	61	–	–	98
2006–07	33	20	29	–	–	82
2007–08	37	39	0	–	–	76
2008–09	47	39	0	33	–	119
2009–10	105	50	0	57	25	237
2010–11	129	60	27	67	49	332
2011–12	107	68	33	66	–	274

2012–13	70	66	46	62	–	244
2013–14	63	62	31	67	–	223
2014–15	72	72	25	–	–	169
2015–16	49	52	72	–	–	173
2016–17	59	55	51	–	–	165
2017–18	65	53	54	–	–	172
योग–	**1006**	**714**	**496***	**352**	**74**	**2642**

*उत्तराखण्ड वानिकी प्रशिक्षण अकादमी, हल्द्वानी में वर्ष 2017–18 तक कुल 178 महिला वन रक्षकों को प्रशिक्षित किया गया है।

10.2.4 स्केलर प्रशिक्षण –

उत्तराखण्ड वानिकी प्रशिक्षण अकादमी हल्द्वानी में उत्तराखण्ड वन विकास निगम में कार्यरत कर्मचारियों (स्केलर) के प्रशिक्षणों का विवरण निम्नवत् है –

वर्ष	प्रशिक्षणार्थियों की संख्या
2000–2001	–
2001–02	–
2002–03	–
2003–04	–
2004–05	48
2005–06	49
2006–07	82
2007–08	60
2008–09	–
2009–10	–
2010–11	–
2011–12	–
2012–13	272
2013–14	137
2014–15	62
2015–16	–
2016–17	–
2017–18	–
योग–	**710**

10.2.5 वन पंचायत प्रशिक्षण –

- वन पंचायत सरपंचों/सदस्यों/सचिवों का अल्प अवधि (सामान्यतः 3 दिन अथवा 5 दिन) का प्रशिक्षण उत्तराखण्ड वानिकी प्रशिक्षण अकादमी, हल्द्वानी में समय–समय पर आयोजित किये जाते हैं।
- यह प्रशिक्षण निःशुल्क है। भोजन एवं आवास की व्यवस्था भी निःशुल्क है।
- इन प्रशिक्षणों में प्रतिभागियों को आने–जाने का (सामान्य बस का) किराया भी दिया जाता है।

उत्तराखण्ड गठन के बाद से वर्ष 2017–18 तक प्रशिक्षित वन पंचायत पदाधिकारियों का विवरण निम्न तालिका में दिया गया है।

वर्ष	प्रशिक्षणों की संख्या	प्रशिक्षण अवधि	प्रशिक्षणार्थियों की संख्या
1	**2**	**3**	**4**
2000–2001	10	5 दिन	101
2001–02	17	5 दिन	315
2002–03	18	5 दिन	142
2003–04	27	5 दिन	461
2004–05	28	5 दिन	316
2005–06	21	5 दिन	230
2006–07	17	5 दिन	174
2007–08	21	5 दिन	281
2008–09	20	5 दिन	272
2009–10	07	5 दिन	100
2010–11	11	5 दिन	159
2011–12	06	5 दिन	93
2012–13	04	3 दिन	78
2013–14	07	3 दिन	100
2014–15	–	–	–
2015–16	–	–	–
2016–17	–	–	–
2017–18	–	–	–
योग–	**214**	–	**2822**

- **वन पंचायत (विकेन्द्रीकृत) एक दिवसीय प्रशिक्षण –** उत्तराखण्ड वानिकी प्रशिक्षण अकादमी, हल्द्वानी में होने वाले नियमित प्रशिक्षण में सुदूर पर्वतीय क्षेत्रों में रहने वाले बहुत से प्रतिभागी नहीं पहुंच पाते हैं। अतः उनकी सुविधा को देखते हुए अकादमी द्वारा सम्बन्धित प्रभागीय वनाधिकारी के माध्यम से प्रशिक्षण स्थल का चुनाव करते हुए दिनांक 25–12–2002 से वन पंचायत सम्बन्धी योजनाओं का एक दिवसीय विकेन्द्रीकृत प्रशिक्षण (प्राक्कलन व लेखा सम्बन्धी) आरम्भ किया गया।

  उत्तराखण्ड राज्य गठन के बाद से वर्ष 2017–18 तक एक दिवसीय विकेन्द्रीकृत प्रशिक्षण के अन्तर्गत प्रशिक्षित वन पंचायत पदाधिकारियों का विवरण निम्न तालिका में दिया गया है –

वर्ष	प्रशिक्षणों की संख्या	प्रशिक्षणार्थियों की संख्या
2000–2001	–	–
2001–02	–	–
2002–03	44	918
2003–04	119	2811
2004–05	112	2968
2005–06	98	2830
2006–07	76	2234
2007–08	62	1655
2008–09	19	622
2009–10	2	40
2010–11	–	–
2011–12	–	–
2012–13	–	–
2013–14	–	–
2014–15	–	–
2015–16	–	–
2016–17	–	–
2017–18	–	–
योग–	**532**	**14078**

10.2.6 अन्य प्रशिक्षण–

10.2.6.1 उत्तराखण्ड वानिकी प्रशिक्षण अकादमी हल्द्वानी में वर्ष 2017–18 के दौरान आयोजित अन्य अल्प अवधि के प्रशिक्षण –

क्र. सं.	प्रशिक्षण का नाम	प्रशिक्षण अवधि	प्रशिक्षणों की संख्या	प्रशिक्षणार्थियों की संख्या
1	2	3	4	5
1.	वीर चन्द्र सिंह गढ़वाली उत्तराखण्ड औद्यानिकी एवं वानिकी विश्वविद्यालय रानीचौरी, टिहरी गढ़वाल के वानिकी स्नातक छात्र(अन्तिम वर्ष) का अध्ययन / भ्रमण	01 माह	01	38
2.	एक्सपोजर विजिट ऑफ असम वन विभाग फ्रन्टलाइन स्टाफ	09 दिन	01	25
3.	पुनश्चर्या पाठ्यक्रम (अग्रिम पंक्ति स्टाफ)	06 दिन	04	99
4.	हाईटेक नर्सरी मैनेजमेन्ट प्रशिक्षण	06 दिन	01	20
5.	जी.पी.एस., जी.आई.एस. एवं एम.एस. ऑफिस प्रशिक्षण	06 दिन	03	63
6.	वन्यजीव, जैवविविधता एवं मानव–वन्यजीव संघर्ष प्रशिक्षण	06 दिन	01	38
7.	मॉडर्न ऑफिस मैनेजमेन्ट एण्ड ई–गवर्नेन्स प्रशिक्षण	06 दिन	01	24
8.	जायका प्रोजेक्ट अन्तर्गत मार्केटिंग स्पेशलिस्ट, एफ.एल.सी. व डाटा एन्ट्री ऑपरेटर संबंधी(Baseline survey, MIS and Marketing) प्रशिक्षण–(भू.सं., नैनीताल, भू.सं.,रानीखेत,अति.भू.सं.,रामनगर व सिविल सोयम, अल्मोड़ा के प्रतिभागी)	06 दिन	01	39
9.	किसान अध्ययन भ्रमण (बिहार राज्य)	03 दिन	30	614
10.	Three days training on "Sustainable Utilization of Non Wood Forest Produce and Medicinal Plants" - *FRI, Dehradun*	03 दिन	01	36
11.	फील्ड एन.जी.ओ. हेतु मानक संचालन प्रक्रिया निर्धारण संबंधी बैठक (JICA)– (भू.सं.,नैनीताल व अति.भू.सं.,रामनगर के प्रतिभागी)	01 दिन	01	20
12.	वन पंचायत सरपंच प्रशिक्षण (नन्दादेवी राष्ट्रीय पार्क, जोशीमठ के प्रतिभागी)	01 दिन	01	44
			कुल योग–	1060

SD/-
(डॉ0 विवेक पाण्डेय)
मुख्य वन संरक्षक / निदेशक,
उत्तराखण्ड वानिकी प्रशिक्षण अकादमी,
हल्द्वानी।